एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP03 (A)

प्रश्न-पत्र III - काव्य शास्त्र

उद्देश्य- संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ग्रन्थ काव्यप्रकाश का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

काव्यप्रकाश (प्रथम से षष्ठ उल्लास पर्यन्त)

काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का सामान्य -परिचय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - काव्यप्रकाश 1-2 उल्लास

द्वितीय इकाई - काव्यप्रकाश 3-4 उल्लास

तृतीय इकाई - काव्यप्रकाश 5-6 उल्लास

चतुर्थ इकाई - काव्यप्रकाश पर आधारित प्रश्न

पंचम इकाई - काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का परिचय

सहायक पुस्तकें-

(1) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - वामनाचार्य झलकीकर

(2) भारतीय साहित्यशास्त्र - जी.टी. देशपाण्डे

(3) भारतीय साहित्यशास्त्र (भाग 1 -2) - पण्डित बलदेव उपाध्याय

(4) अलंकारशास्त्र का इतिहास - डॉ. कृष्णकुमार।

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कोड संख्या M3 SAN 01 EP03 (B)

प्रश्न-पत्र III - वेदान्त दर्शन

उद्देश्य- दर्शनशास्त्र परंपरा में वेदान्तदर्शन के प्रतिनिधि ग्रन्थ ब्रह्मसूत्र के प्रारंभिक अंश तथा उस पर आचार्य शंकर के भाष्य का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य: प्रथम अध्याय, प्रथम पाद के 1-4 सूत्र (चतुःसूत्री) ।
2. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य: द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद 1-45 सूत्र

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई - ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 1-2 सूत्र

द्वितीय इकाई - ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 3-4 सूत्र

तृतीय इकाई - ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय, द्वितीयपाद की 1-23 सूत्र

चतुर्थ इकाई - ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय, द्वितीयपाद की 24 - 45 सूत्र

पंचम इकाई - ब्रह्मसूत्रकार एवं भाष्यकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं महत्त्व तथा ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय द्वितीय पाद की विषयवस्तु।

सहायक पुस्तके:-

(1) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य - व्या,स्वामी योगीन्द्रानन्द

(2) ब्रह्म शांकर भाष्य (चतुः सूत्री) - व्या. आचार्य विश्वेश्वर

(3) भारतीय दर्शन - सम्पा. डॉ. एन. के. देवराज

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP04 (A)

प्रश्न-पत्र IV- साहित्य शास्त्र

उद्देश्य- संस्कृत साहित्यशास्त्र परंपरा के प्रतिनिधि ग्रन्थ रसगंगाधर तथा ध्वन्यालोक के प्रारंभिक अंशों का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

रसगंगाधर (प्रथम आनन) - आरम्भ से रसभेद निरूपण तक

ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - रसगंगाधर (प्रथम आनन) के आरम्भ से काव्यभेद तक ।

द्वितीय इकाई - रसगंगाधर (प्रथम आनन) के 'रसस्वरूप' से लेकर रसभेद निरूपण तक

तृतीय इकाई - रसगंगाधर के कर्ता तथा विषयवस्तु आधारित प्रश्न।

चतुर्थ इकाई - ध्वन्यालोक पर (प्रथम उद्योत)

पंचम इकाई - ध्वन्यालोक पर आधारित प्रश्न

सहायक पुस्तकें

(1) रसगंगाधर - पंडितराज जगन्नाथ

(2) ध्वन्यालोक - आनंदवर्धन

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या M3 SAN 01 EP04 (B)

प्रश्न-पत्र IV - सांख्य दर्शन

उद्देश्य- संस्कृत दर्शनशास्त्रीय परंपरा में सांख्यदर्शन के प्रतिनिधि ग्रन्थ सांख्यकारिका की टीका - सांख्यतत्त्वकौमुदी के अधिगमसहित सांख्यशास्त्रीय तत्वों का परिचय |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

सांख्यतत्त्वकौमुदी - वाचस्पति मिश्र

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई - सांख्यतत्त्वकौमुदी (1 से 21 कारिका)

द्वितीय इकाई - सांख्यतत्त्वकौमुदी (22से 45 कारिका)

तृतीय इकाई - सांख्यतत्त्वकौमुदी (46से 72 कारिका)

चतुर्थ इकाई - त्रिविध दुःख, तापत्रय, गुणत्रय, व्यक्त, अव्यक्त एवं ज्ञ स्वरूप, प्रत्यक्षबाधक, दृष्ट /आनुश्रविक उपाय विवेचन।

पंचम इकाई - सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य। सांख्यतत्त्वकौमुदी परिचय एवं सार, सृष्टि प्रक्रिया (क्रम) प्रत्यय सर्ग (बौद्धिक सृष्टि), त्रिविध प्रमाण, प्रकृति-पुरुष, साम्य-वैषम्य, प्रकृति स्वरूप अथवा पुरुष स्वरूप निरूपण ।

सहायक पुस्तके:-

(1) सांख्यतत्त्वकौमुदी - वाचस्पति मिश्र

(2) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी

(3) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP05 (A)

प्रश्न-पत्र V- संस्कृत नाटक

उद्देश्य- संस्कृत साहित्य की दृश्यकाव्य परंपरा में महाकवि भवभूति एवं भास की प्रतिनिधि रचनाओं उत्तररामचरितम् एवं कर्णभारम् का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

उत्तररामचरितम् -भवभूति

कर्णभारम् -भास

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - उत्तररामचरितम् नाटक के 1-3 अंक

द्वितीय इकाई - उत्तररामचरितम् नाटक के 4-7 अंक

तृतीय इकाई - उत्तररामचरितम् नाटक की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्न, अंकों का सार, अंको का वैशिष्ट्य, उत्तररामचरितम् की विशेषता से सम्बन्धित प्रश्न ।

चतुर्थ इकाई - कर्णभार नाटक से श्लोक व्याख्या।

पंचम इकाई - कर्णभार नाटक के कर्ता तथा विषयवस्तु से सम्बन्धित प्रश्न।

सहायक पुस्तकें-

(1) उत्तररामचरितम् नाटक-भवभूति
(2) कर्णभारम्-भास
(3) महाकविभवभूति-गंगासागर राय
(4) भवभूति के नाटक-डॉ. ब्रजबल्लभ शर्मा
(5) संस्कृत नाट्यसाहित्य-

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2019-2020
प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP05 (B)
प्रश्न-पत्र V- न्याय वैशेषिक दर्शन

उद्देश्य- संस्कृत दर्शनशास्त्रीय परंपरा में न्यायदर्शन के प्रमुख ग्रन्थ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली -विश्वनाथ (प्रत्यक्ष खण्ड दिग् पर्यन्त कारिका 46 तक)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ-

प्रथम इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 1 से 22 तक
द्वितीय इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड के पूर्वार्द्ध से प्रश्न
तृतीय इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 23 से 34 तक
चतुर्थ इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 35 से 46 तक
पंचम इकाई - न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय तथा न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के उत्तरार्द्ध से प्रश्न

सहायक पुस्तके:-

(1) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - ज्वालाप्रसाद गौड
(2) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री
(3) भारतीय दर्शन न्याय-वैशेषिक - डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री
(4) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) - मुसलगांवकर
(5) भारतीय न्याय शास्त्र - डॉ. ब्रह्ममित्र अवस्थी
(6) वैशेषिक दर्शन - डॉ. श्री नारायण मिश्र
(7) न्याय-वैशेषिक तथा अन्य भारतीय दर्शन (न्याय लीलावती के आलोक में) - डॉ. नरेन्द्र अवस्थी राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर ।

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP06 (A)

प्रश्न-पत्र VI- विशेष अध्ययन - कालिदास (खंडकाव्य एवं नाटक)

उद्देश्य- भारतीय और संस्कृत साहित्य के प्रमुख महाकवि कालिदास एवं उनके साहित्य का अधिगम|

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

१- ऋतुसंहार एवं मेघदूत

२- अभिज्ञान-शाकुन्तलम्

३- मालविकाग्निमित्र

४- विक्रमोर्वशीयम्

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ-

प्रथम इकाई	-	ऋतुसंहार (बसन्तऋतु), मेघदूत (मेघमार्ग)
द्वितीय इकाई	-	अभिज्ञान शाकुन्तलम् -कथावस्तु, पात्र व रस विमर्श
तृतीय इकाई	-	मालविकाग्निमित्र -मूलपाठ (अंक 1-2) कथावस्तु, पात्र व रस विमर्श
चतुर्थ इकाई	-	विक्रमोर्वशीयम् - मूलपाठ (अंक 1-2) कथावस्तु, पात्र व रस विमर्श
पंचम इकाई	-	महाकवि कालिदास व्यक्तित्व व कृतित्व तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रतिनिधि कवि के रूप में मूल्यांकन।

सहायक पुस्तके:-

(1) कालिदास ग्रन्थावली - पं. रेवा प्रसाद द्विवेदी

(2) कालिदास ग्रन्थावली - पं. सीताराम चतुर्वेदी

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय

(4) कालिदास की लालित्य योजना - पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2019-2020
प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP06 (B)
प्रश्न-पत्र VI- वेदान्त दर्शन के प्रमुख आचार्य

उद्देश्य- भारतीय दर्शनशास्त्रीय परंपरा में वेदान्तदर्शन का परिचय एवं उसके प्रमुख आचार्यों के योगदान का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) वेदान्तदर्शन का परिचय
2) वेदान्त के प्रमुख आचार्य
3) भारतीय धर्म दर्शन परम्परा के विकास में वेदान्त के आचार्यों का योगदान

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ-

प्रथम इकाई - वेदान्तदर्शन का उद्भव एवं विकास
द्वितीय इकाई - शंकर एवं रामानुज - व्यक्तित्व-कृतित्व एवं प्रमुख सिद्धांत
तृतीय इकाई - मध्व एवं चैतन्य - व्यक्तित्व-कृतित्व एवं प्रमुख सिद्धांत
चतुर्थ इकाई - वल्लभ एवं निम्बार्क - व्यक्तित्व-कृतित्व एवं प्रमुख सिद्धांत
पंचम इकाई - भारतीय धर्म एवं दर्शन परम्परा में उपर्युक्त आचार्यों का योगदान एवं महत्व।

सहायक पुस्तके:-

(1) भारतीय दर्शन - राधाकृष्णन
(2) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय
(3) भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
(4) श्री वैष्णव सिद्धांत संग्रह- अरैयर श्रीराम शर्मा
(5) धर्म और दर्शन - बलदेव उपाध्याय
(6) भागवत संप्रदाय - बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 CT01

प्रश्न-पत्र I . काव्य (गद्य, पद्य , और निबन्ध)

उद्देश्य- संस्कृत की गद्यकाव्य एवं महाकाव्य परंपरा की प्रतिनिधि रचनाओं का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

कादम्बरी (कथामुखम्)।

शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)।

निबन्ध।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम इकाइयां

प्रथम इकाई - कादम्बरी (कथामुख) से व्याख्या।

द्वितीय इकाई - कादम्बरी (कथामुख) की विषयवस्तु व कर्ता से सम्बन्धित प्रश्न।

तृतीय इकाई - शिशुपालवध के प्रथम सर्ग

चतुर्थ इकाई - शिशुपालवध के प्रथम-सर्ग पर आधारित प्रश्न, माघ का व्यक्तित्व, माघ की भाषा-शैली आदि ।

पंचम इकाई - निबन्ध

सहायक पुस्तकें:-

(1) कादम्बरी (कथामुखम्) - बाणभट्ट

(2) शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग)- महाकवि माघ

(3) कादम्बरी - एक सांस्कृतिक अनुशीलन - वासुदेवशरण अग्रवाल

(4) बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन - अमरनाथ पांडेय

(5) महाकवि माघ - डॉ. मनमोहन शर्मा

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 CT02

प्रश्न-पत्र II – चार्वाक, बौद्ध एवं जैन दर्शन

उद्देश्य- भारतीय दर्शनशास्त्रीय परंपरा में नास्तिक दर्शन - चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन का सर्वदर्शनसंग्रह ग्रंथानुसार अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. सर्वदर्शनसंग्रह - माधवाचार्य (चार्वाक, बौद्ध एवं जैनदर्शन मात्र)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां

प्रथम इकाई - चार्वाक दर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह)

द्वितीय इकाई - बौद्ध दर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह)

तृतीय इकाई - जैनदर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह) 3 से 26 वीं कारिका पर्यन्त ।

चतुर्थ इकाई - जैनदर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह) 27वीं कारिका से 62 कारिका पर्यन्त

पंचम इकाई - चार्वाक, बौद्ध एवं जैनदर्शन का परिचय, प्रतिपाद्य एवं महत्त्व

सहायक पुस्तकें :-

(1) सर्वदर्शनसंग्रह - माघवाचार्य

(2) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय

(3) भारतीय दर्शन - सर्वपल्ली राधाकृष्णन

(4) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी

(5) जैन दर्शन - मोहनलाल मेहता

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP03 (A)

प्रश्न-पत्र III - साहित्य -शास्त्र - II

उद्देश्य- संस्कृत साहित्य शास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ काव्यप्रकाश एवं वक्रोक्तिजीवितम् के प्रमुख अंशों का अध्ययन |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट (सप्तम एवं अष्टम उल्लास)

वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष)

साहित्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यो का सामान्य-परिचय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम इकाइयाँ

प्रथम इकाई - काव्यप्रकाश का सप्तम व अष्टम उल्लास।

द्वितीय इकाई - काव्यप्रकाश के सप्तम एवं अष्टम उल्लास पर आधारित प्रश्न।

तृतीय इकाई - वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष)

चतुर्थ इकाई - वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष) विषयवस्तु तथा वक्रोक्तिजीवितकार के व्यक्तित्व और कृतित्व।

पंचम इकाई - साहित्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का सामान्य परिचय।

सहायक पुस्तके:-

(1) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट

(2) वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष) - आचार्य कुन्तक

(3) भारतीय साहित्य शास्त्र - जी. टी. देशपाण्डे

(4) भारतीय साहित्य शास्त्र - भाग 1 व 2 पण्डित बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP03 (B)

प्रश्न-पत्र III - मीमांसा दर्शन

उद्देश्य- भारतीय दर्शनशास्त्र परंपरा में मीमांसा दर्शन के प्रतिनिधि ग्रन्थ अर्थसंग्रह का अधिगम |

पाठ्यक्रम **80 अंक**

अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - विधि भाग

द्वितीय इकाई - मन्त्र भाग

तृतीय इकाई - नामधेय भाग

चतुर्थ इकाई - निषेध

पंचम इकाई - अर्थवाद और मीमांसा दर्शन का सामान्य परिचय एवं मुख्य प्रतिपाद्य विषय

सहायक पुस्तकें-

1. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर
2. मीमांसा दर्शन - वाचस्पति उपाध्याय
3. भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP04 (A)

प्रश्न-पत्र IV- नाटक एवं काव्य

उद्देश्य- संस्कृत की दृश्य एवं श्रव्यकाव्य परम्परा में वेणीसंहार नाटक एवं रघुवंश महाकाव्य के प्रथम सर्ग का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) वेणीसंहार

2) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)

3) संस्कृत के प्रमुख नाटकों का परिचयात्मक ज्ञान

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - वेणीसंहार नाटक, व्याख्येय भाग।

द्वितीय इकाई - वेणीसंहार नाटक की विषय वस्तु नाटककार

तृतीय इकाई - रघुवंशम् (प्रथम-सर्ग)

चतुर्थ इकाई - रघुवंशम् की विषयवस्तु तथा कालिदास

पंचम इकाई - संस्कृत के प्रमुख नाटकों का परिचयात्मक ज्ञान

सहायक पुस्तकें:-

(1) वेणीसंहारम् - भट्ट नारायण

(2) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) - महाकवि कालिदास

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास (लौकिक-खण्ड) - प्रीतिप्रभा गोयल

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP04 (B)

प्रश्न-पत्र IV - योग दर्शन

उद्देश्य- भारतीय दर्शनशास्त्र परंपरा में योगदर्शन के प्रतिनिधि ग्रन्थ योगसूत्र का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

योगसूत्र - महर्षि पतंजलिकृत (भोजवृत्ति सहित) समाधिपाद, साधनपाद और विभूति पाद के 1 से 6 सूत्र पर्यन्त ।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई	-	योगसूत्र - प्रथम समाधिपाद को 1 से 51 सूत्रपर्यन्त
द्वितीय इकाई	-	योगसूत्र - प्रथम समाधिपाद से सम्बन्धित प्रश्न
तृतीय इकाई	-	योगसूत्र - द्वितीय साधनपाद सूत्र 1 से 26 पर्यन्त
चतुर्थ इकाई	-	योगसूत्र - द्वितीय साधनपाद सूत्र 27 से तृतीय विभूतिपाद के 1-6 सूत्र पर्यन्त
पंचम इकाई	-	योग-दर्शन का सामान्य परिचय, प्रतिपाद्य, योगसूत्र, परिचय एवं प्रतिपाद्य, समाधिपाद/साधन पाद, विषयवस्तु सार, योग का लक्षण, जीवन मे महत्त्व एवं उपादेयता ।

सहायक पुस्तकें:-

(1) योगसूत्र - पतंजलि (भोजवृत्ति सहित)
(2) पातंजलयोगप्रदीप - स्वामी ओमानन्द तीर्थ गीता प्रेस ,गोरखपुर
(3) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी
(4) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय
(5) भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र
(6) व्यासभाष्य - वेद व्यास

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP05 (A)

प्रश्न-पत्र V- नाट्यशास्त्र

उद्देश्य- संस्कृत कि नाट्यशास्त्रीय परंपरा में प्रमुख ग्रन्थ नाट्यशास्त्र एवं दशरूपक का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) नाट्यशास्त्र ((षष्ठ अध्याय मात्र)

2) दशरूपकम् (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश मात्र)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई - नाट्य-शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 1 से 30 तक

द्वितीय इकाई - नाट्य-शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 31 से अध्याय पर्यन्त

तृतीय इकाई - नाट्य-शास्त्र (षष्ठ अध्याय) पर आधारित प्रश्न

चतुर्थ इकाई - दशरूपकम् (प्रथम प्रकाश)

पंचम इकाई - दशरूपकम् (तृतीय प्रकाश)

सहायक पुस्तकें:-

(1) नाट्यशास्त्र - भरतमुनि

(2) दशरूपकम् - धनंजय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020
प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP05 (B)
प्रश्न-पत्र V - न्याय वैशेषिक दर्शन -II

उद्देश्य- भारतीय दर्शन परंपरा में न्याय दर्शन के प्रमुख ग्रन्थ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - विश्वनाथ (प्रत्यक्ष खण्ड कारिका 47 से 65 तक)
2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - विश्वनाथ (अनुमान खण्ड कारिका 66 से 78 तक)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - न्यायसिद्धान्त मुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 47 से 65 तक व्याख्यांश।

द्वितीय इकाई - न्यायसिद्धान्त मुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 47 से 65 तक विषय वस्तु आधारित प्रश्न।

तृतीय इकाई - न्यायसिद्धान्त मुक्तावली: अनुमान खण्ड की कारिका 66 से 78 तक व्याख्यांश।

चतुर्थ इकाई - अनुमान खण्ड पर आधारित प्रश्न।

पंचम इकाई - न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्त।

सहायक पुस्तकें:-

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - ज्वालाप्रसाद गौड
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) - डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री
3. भारतीय दर्शन न्याय-वैशेषिक - डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री
4. भारतीय न्यायशास्त्र - डॉ. ब्रह्ममित्र अवस्थी
5. वैशेषिक दर्शन - डॉ. श्री नारायण मिश्र
6. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली 'किरणावली' समारव्याख्योपेता व्याख्याकार - पं. श्रीकृष्ण वल्लभाचार्य चैखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी।
7. भारतीय दर्शन की रूपरेखा - प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, (मोतीलाल बनारसीदास)
8. भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP06 (A)

प्रश्न-पत्र VI - विशेष अध्ययन - कालिदास (महाकाव्य)

उद्देश्य- संस्कृत साहित्य के महाकवि कालिदास एवं उनकी रचनाओं का विशेष अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. कालिदास के महाकाव्य - रघुवंशम्
2. कालिदास के महाकाव्य - कुमारसंभवम्

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - रघुवंशम् (सर्ग 1, 2)
द्वितीय इकाई - रघुवंशम् (सर्ग 6, 13)
तृतीय इकाई - कुमारसंभवम् (सर्ग 1, 2, 3)
चतुर्थ इकाई - कुमारसंभवम् (सर्ग 4 - 5)
पंचम इकाई - संस्कृत महाकाव्य परम्परा में कालिदास का योगदान तथा कालिदास के महाकाव्यों की शास्त्रीय समीक्षा।

सहायक पुस्तकें:-

1. कालिदास ग्रन्थावली - पं. रेवा प्रसाद द्विवेदी
2. कालिदास ग्रन्थावली – पं.सीताराम चतुर्वेदी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP06 (B)

प्रश्नपत्र VI - विशेष अध्ययन - शंकर

उद्देश्य- भारतीय दर्शन की अद्वैतवेदान्तपरंपरा के प्रमुख आचार्य शंकराचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विशेष अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. आचार्य शंकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. विवेक चूड़ामणि

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - आचार्य शंकर व्यक्तित्व परिचय

द्वितीय इकाई - आचार्य शंकर की कृतियों का परिचय
भारतीय दार्शनिक परम्परा को आचार्य शंकर का योगदान एवं महत्व

तृतीय इकाई - विवेक-चूड़ामणिश्लोक 1 - 103

चतुर्थ इकाई - विवेक-चूड़ामणिश्लोक 104- 193

पंचम इकाई - विवेक-चूड़ामणि श्लोक 194- 251

सहायक पुस्तकें:-

1. विवेक चूड़ामणि - गीताप्रेस गोरखपुर
2. शंकराचार्य - उमा शंकर शर्मा
3. भारतीय दर्शन - राधाकृष्णन्
4. विवेक चूड़ामणि - स्वामी प्रखरप्रज्ञानन्द सरस्वती (चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी)

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 07 AU02

प्रश्नपत्र VII – प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं श्रीमद्भगवद्गीता

उद्देश्य- प्राचीन भारतीय संस्कृति का परिचय एवं श्रीमद्भगवद्गीता का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. प्राचीन भारतीय संस्कृति
2. श्रीमद्भगवद्गीता

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - प्राचीन भारतीय संस्कृति - वर्ण, आश्रम, पुरुषार्थ, ऋण

द्वितीय इकाई - प्राचीन भारतीय संस्कृति कि विशेषताऐं - संस्कार विवाह महायज्ञ

तृतीय इकाई - प्राचीन भारतीय संस्कृति कि विशेषताऐं - प्राचीन विद्या केंद्र तथा विद्यास्थान, भारतीय संस्कृति का विस्तार

चतुर्थ इकाई - श्रीमद् भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय पूर्वार्ध

पंचम इकाई - श्रीमद् भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय उत्तरार्द्ध

सहायक पुस्तकें:-

1. प्राचीन भारत कि सामाजिक संस्कृति - प्रो. रामजी उपाध्याय
2. भारतीय संस्कृति
3. श्रीमद् भगवद्गीता - सं. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
4. श्रीमद् भगवद्गीता (2-3 अध्याय) - सं. प्रो. दयानंद भार्गव

Note: **Postgraduate programmes in Social Sciences& Humanities** enable students to develop expertise in their special areas of study and inculcate in them a keen interest in research. These courses are designed in such a way that students not only acquire the knowledge of the latest developments in their field but also try to contribute to further the developments. Postgraduate programmes are linked to the employment needs. organizations, thus forging a vital link between the University and Society.

1. Core Courses (Basic / Fundamental Courses) ARE 4 credits each.(CC for Semester I & II)
2. ELECTIVES(Advanced Courses) should be within 4 credits each (EC for Semester III & IV).
3. Each student for each paper will submit Assignment/ Project work/ Seminar Presentation which will be mandatory for Core Courses & Electives and shall be assign 1 credit each
4. ADD On / Foundation Courses: Each student will have to complete two add on Audit courses of 2 credit each in Second & fourth semesters as compulsory courses

a). Language &Communication Skills in English

b). Practical Ethics, Human Rights & Environmental Awareness

c). Personality Development& Well-Being

d). Community Work